दूसरे विश्वयुद्ध के समय नाज़ियों के हाथ से बची एक पेंटिंग, नॉर्वे के एक जंगल में अनाज घर में छुपी हुई थी। एडवर्ड मंच की इस पेंटिंग की जल्दी ही नीलामी होने वाली है। तेरह फीट लम्बी यह कलाकृति, जिसका शीर्षक ''डांस ऑन द बीच'' है, 89 साल में एक बार भी बिक्री के लिए बाज़ार में नहीं आई है। किसी समय यह पेंटिंग बर्लिन में रहने वाले यहूदी आर्ट क्रिटिक, कलैक्टर और इतिहासकार कर्ट ग्लेज़र की मिल्कियत थी। ग्लेज़र व उनकी पत्नी एल्सा ने 1930 के दशक तक कलाकृतियों का भारी भरकम संग्रह तैयार कर लिया था, इसमें एडवर्ड मंच के साथ -साथ आत्री मैटीस, मैक्स बैकमैन व अन्य कलाकारों की पेंटिंग्स थीं। वर्ष 1933 में नाज़ियों ने जब ग्लेज़र को बर्लिन स्टेट आर्ट लायब्रेरी के डायरैक्टर पद से हटा दिया और उसके अपार्टमैंट पर भी कब्जा कर लिया तब ग्लेज़र अपनी प्रिय कलाकृतियों को बेचकर जर्मनी छोड़कर अमेरिका में बस गए। ग्लेज़र के जाने के कुछ महीनों बाद मंच की कई कलाकृतियां नॉर्वे के एक शिपिंग व्यापारी और एडवर्ड मंच के पड़ौसी टॉमस ओल्सन के पास आ गईं। उसने ऑस्लो की एक नीलामी में ''डांस ऑफ द बीच'' तथा अन्य कलाकृतियां खरीदीं। सन् 1946 में जर्मनी ने नॉर्वे पर कब्जा कर लिया। नाज़ी सरकार ने मंच सहित कई कलाकारों पर पाबंदी लगा दी। ओल्सन परिवार ने ''डांस ऑन बीच'', ''द स्क्रीम'' और मंच की अन्य कलाकृतियों को जंगल में बने एक अनाज घर में छुपा दिया, ताकि वे नाज़ियों के हाथ ना पड़ें। सॉथबीज़, न्यूयॉर्क, की वाइस चेयरमैन सिमॉन शॉ ने कहा कि, ''विश्व में निजी संग्रहों में जितने भी एक्सप्रैशनिस्ट मास्टर पीस हैं उनमें यह एक है। इसका भावनात्मक प्रभाव आज भी उतना ही असरदार है, जितना 1906 में था। इसमें रंग बिरंगा नॉर्वेजियन लैंड स्केप के साथ नाचती हुई आकृतियां नज़र आ रही हैं। दो महिलाएं सबसे आगे हैं, जो मंच की प्रेमिकाओं, टुला लार्सन और मिली थॉलो को दर्शाती हैं। तेरह फीट की यह शानदार चित्र वल्लरी (फ्रीज़) 1906 में बर्लिन में जाने माने डायरैक्टर मैक्स राइनहार्ट के थिएटर में स्थापित की गई थी। इस कलाकृति की एक मार्च को लंदन में सॉथबीज़ द्वारा नीलामी की जाएगी और इसके 15 से 25 मिलियन डॉलर में बिकने की उम्मीद है। ऊपर दिए चित्र में 13 फीट लंबी पेंटिंग का एक भाग नज़र आ रहा है।

कटारिया को राज्यपाल बनाने के बाद मेवाड़ भाजपा की सियासत में नया मोड़ आया

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि, विधानसभा चुनाव में उदयपुर शहर से भाजपा में विधायक पद का दावेदार कौन होगा

उदयपुर, 12 फरवरी (का.सं.)। लगभग 46 वर्षों तक भाजपा के लिए अहम भूमिका निभाने वाले उदयपुर शहर विधायक और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को रविवार को असम का राज्यपाल बनाए जाने के बाद मेवाड़ और खासकर उदयपुर की सियासत में एक नया मोड़ आ गया है। यहां सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि, इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव में उदयपुर शहर से भाजपा में विधायक पद का दावेदार कौन होगा, राजनीतिक गलियारों में तेजी से चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि, राजनीति में खासा दबदबा रखने वाले कटारिया का आखिरकार उदयपुर में राजनीतिक विकल्प कौन हो सकता है।

जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर 1944 को जन्मे 79 वर्षीय गुलाबचंद कटारिया 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर पहली बार विधायक के पद पर चुने गए थे। तब से अनवरत चुनाव दर चुनाव मज़बूत होते गए और न सिर्फ विपक्षी पार्टी बल्कि अपनी ही पार्टी में अपने विरोधियों को भी लगातार पछाड़ते गए। कटारिया ने 1993 से 1998 के बीच भैरोंसिंह शेखावत सरकार में शिक्षा मंत्री के रूप में काम किया। 9वीं लोकसभा में सांसद चुने गए। वसुंधरा सरकार में साल 2004 से 2008 और वर्ष 2014 से 2018 तक कटारिया गृह मंत्री रहे हैं। कटारिया उदयपुर विधानसभा सीट से 2003 से 2018 तक लगातार चार बार चुनाव जीते। 1993 में भी उदयपुर शहर से विधानसभा चुनाव जीते थे। 1998 में कटारिया बड़ी सादड़ी सीट से, ने विधानसभा चुनाव जीता था।

■ मेवाड़ की राजनीति में कटारिया सबसे कद्दावर चेहरा थे, लोकसभा हो या विधानसभा चुनाव सारे टिकट कटारिया के इशारे पर ही बंटते थे।

अब जबकि आज उन्हें असम का राज्यपाल बना दिया गया है तो एक प्रकार से उनके चुनावी राजनीति का अध्याय भी समाप्त हो गया है। अमूमन भारतीय राजनीति में किसी नेता के पॉलिटिकल कैरियर उस वक्त समाप्त माना जाता है जब उन्हें राज्यपाल बनाया जाता है। लिहाज़ा अब राज्यपाल बनने के बाद कटारिया की मेवाड़ में राजनीति का अध्याय भी समाप्त हो गया है। अब वह संवैधानिक पद पर नियुक्त हो चुके है। उल्लेखनीय है कि, इससे पूर्व कांग्रेस ने भी मेवाड़ के कद्दावर नेता मोहनलाल सुखाड़िया को राज्यपाल बनाकर उनका राजनैतिक जीवन समाप्त कर दिया था। कटारिया जैन समाज से आते हैं और वे उदयपुर विधानसभा सीट से वर्ष 2003 से 2018 तक लगातार चार बार चुनाव जीते हैं। ऐसे में भाजपा के लिए ये देखना अहम होगा कि वह विधानसभा चुनाव में इस सीट से किसी जैन को टिकट देती है या फिर ब्राह्मण पद दाव आजमाती है।

मेवाड़ भाजपा में सबसे ताकतवर चेहरा गुलाबचंद कटारिया का ही था। चुनाव चाहे लोकसभा का हो या विधानसभा का या फिर स्थानीय निकायों के चुनाव में भी टिकट कटारिया के इशारे पर ही बंटते थे। यहाँ तक की कटारिया से मतभेद के चलते रणधीर सिंह भींडर को भी टिकट से हाथ धोना पड़ा था और उन्हें अलग से जनता सेना का निर्माण करना पड़ा था। स्वर्गीय किरण माहेश्वरी को राजनीति में लाने वाले भी कटारिया ही थे। लेकिन किरण माहेश्वरी की जब महत्वाकांक्षा बढ़ी तो उन्हें उदयपुर छोड़कर राजसमंद जाना पड़ा था। अब सवाल यह है कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद मेवाड़ में भाजपा खेवनहार कौन बनेगा।

गुलाबचंद कटारिया वर्तमान में उदयपुर शहर विधानसभा के मौजूदा विधायक है। राज्यपाल बनने के बाद उन्हें विधायक पद से इस्तीफ़ा देना पड़ेगा। अब जबकि इस वर्ष राज्य विधानसभा के चुनाव भी होने है। इसलिए लगता नहीं की उदयपुर सीट पर उपचुनाव हो, हालाँकि कोई भी सीट छह महीने से अधिक खाली नहीं रह सकती है लेकिन चुनाव सम्भवतया दिसंबर में होने है। अब यह चुनाव आयोग पर निर्भर करता है कि, उदयपुर में उपचुनाव होंगे या नहीं। लेकिन सवाल यह है कटारिया के बाद विकल्प कौन होगा। अगर जैन उम्मीदवार के फ़ॉर्मूले पर भाजपा टिकी रहती है तो उदयपुर नगर निगम में उपमहापौर पारस सिंघवी और भाजपा महिला नेता अल्का मूंदड़ा एक विकल्प है।

हालाँकि राह यहां भी आसान नहीं जैन उम्मीदवारों में ताराचंद जैन, प्रमोद सामर, दिनेश गुप्ता, जैसे कई नेता कतार में है। यदि भाजपा ब्राह्मण चेहरे पर फोकस करती है। वर्तमान जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली भी एक विकल्प है। और अगर हाल ही की राजनैतिक घटनाक्रम और राजनीति में दिलचस्पी के चलते मेवाड़ के पूर्व राजघराने के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी एक चेहरा हो सकते है। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ राजनीति में आने की इच्छा भी जता चुके है और हाल के पिछले दिनों में लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के उत्तर प्रदेश के सी.एम. योगी समेत भाजपा के अनेक नेताओं के साथ मुलाकात कर अपनी संभावनाओं को बल दिया है। जनता सेना सुप्रीमो महाराज रणधीर सिंह भिंडर ने कटारिया से मनमुटाव के चलते ही भाजपा से किनारा कर जनता सेना का गठन किया था। चूँकि कटारिया की अब मेवाड़ की राजनीति में दखल हटने के बाद महाराज रणधीर सिंह भिंडर के भाजपा में पुनः वापसी के रास्ते भी खुल गए है और वसुंधरा राजे से निकटता के चलते कयास लगाया जा रहा है जनता सेना का भाजपा में विलय हो सकता है।

इधर कटारिया को असम राज्य के राज्यपाल बनाया जाने पर सम्पूर्ण जैन समाज के सदस्यों में खुशी कि लहर छा गई एवं एक दूसरे को बधाईयां देने लगे, अखिल भारतीय संस्थान कोर कमेटी ने संस्थान परम संरक्षक कुन्ती लाल जैन के सानिध्य मे कार्यालय पर सभी को मिठाई खिलाकर खुशी का इज़हार किया गया।

'कश्मीर ने प्यार और मोहब्बत चाही थी और मिला क्या बुलडोजर'

राहुल गांधी ने कहा, जम्मू कश्मीर में 10 लाख कनाल से अधिक जमीन जबरदस्ती अतिक्रमण बताकर मुक्त कराई गई है

नई दिल्ली, 12 फरवरी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जम्मू कश्मीर में जारी अतिक्रमण रोधी मुहिम को लेकर भाजपा पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश ने रोजगार, बेहतर कारोबार और प्यार चाहा था, लेकिन उसे इसके बजाय ''भाजपा का बुलडोजर'' मिला। कांग्रेस, कांफ्रेंस और पी.डी.पी. (पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) जैसे कई बड़े दलों ने इस मुहिम को लेकर चिंता व्यक्त की है और इसे तत्काल रोकने की मांग की है।

राजस्व विभाग के आयुक्त सचिव विजय कुमार बिधूड़ी ने सात जनवरी को सभी उपायुक्तों को सरकारी भूमि से अतिक्रमण शत प्रतिशत हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद से जम्मू कश्मीर में 10 लाख कनाल से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''जम्मू कश्मीर को चाहिए रोजगार, बेहतर व्यापार और प्यार, मगर उन्हें मिला क्या? भाजपा का बुलडोजर।''

■ उन्होंने कहा, ''कई दशकों से जिस जमीन को वहां के लोगों ने मेहनत से सींचा, उसे उनसे छीना जा रहा है। अमन और कश्मीरियत की रक्षा, जोड़ने से होगी, तोड़ने और लोगों को बांटने से नहीं।''

उन्होंने कहा, ''कई दशकों से जिस जमीन को वहां के लोगों ने मेहनत से सींचा, उसे उनसे छीना जा रहा है। अमन और कश्मीरियत की रक्षा, जोड़ने से होगी, तोड़ने और लोगों को बांटने से नहीं।'' गांधी ने ट्वीट के साथ मीडिया की खबर भी संलग्न की, जिसमें दावा किया गया है कि जम्मू कश्मीर में अतिक्रमण रोधी अभियान को लेकर लोगों में घबराहट है।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की थी। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने 31 जनवरी 2023 को न्यायमूर्ति बिंदल और न्यायमूर्ति कुमार को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की भी सिफारिश की थी।

राष्ट्रपति मुर्मू...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवाज बोम्मई ने उच्चतम न्यायालय में कर्नाटक के पूर्व न्यायाधीश एस.अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर रविवार को उन्हें बधाई दी।

न्यायमूर्ति नजीर उच्चतम न्यायालय की उस बैंच का हिस्सा थे जिसने अयोध्या मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। वह उस बेंच का भी हिस्सा थे जिसने तीन तलाक को अपराध घोषित किया था। उन्हें प्रतिबंधित संगठन पी.एफ.आई. और अन्य आतंकी संगठनों से भी खतरा है।

लोकसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचारार्थ पेश करने को कहा है।

लोकसभा में मंगलवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी के भाषण के बाद दुबे और जोशी ने उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग-अडाणी के मुद्दे पर टिप्पणी की थी।

प्र.मंत्री मोदी ने पुराना बजट पढ़ने पर मु.मंत्री गहलोत पर तंज कसा

मोदी ने कहा, आपने पिछले साल के बजट को एक साल से डिब्बे में बंद करके रखा था इस कारण से ऐसा हुआ

नई दिल्ली, 12 फरवरी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले दोनों विधानसभा में पुराना बजट पढ़ दिया जिसको लेकर भारी हंगामा भी हुआ। विपक्षी दल ने ब्यूरोक्रेसी और मुख्यमंत्री दोनों पर गैरजिम्मेदारी और लापरवाही के आरोप लगाये थे। अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी गलत बजट का भाषण पढ़ने पर अशोक गहलोत पर एक पुरानी घटना का जिक्र कर तंज कसा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के दौरान एक पुरानी शादी की घटना का जिक्र किया।

■ प्र.मंत्री मोदी ने मु.मंत्री गहलोत के ऊपर एक पुरानी शादी का वाकया सुनाकर चुटकी ली।

■ प्रधानमंत्री ने कहा कि, यह बात उन दिनों की है जब मैं संघ के कार्यकर्ता के तौर पर काम करता था, संघ के कार्यकर्ता उन्हें एक शादी में अपने साथ ले गये वहां जाकर पता चला कि, शादी तो एक साल पहले ही हो गई थी और वह कार्ड भी एक साल पुराना था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सवाल यह नहीं है कि कौन सा वाला (बजट) पढ़ा गया था, सवाल यह है कि जब आपने पिछले वाला पढ़ा था तब आपने उसे एक साल तक डिब्बे में बंद करके रखा था इसलिए ये हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे एक घटना याद आती है , मैं राजनीति में नहीं था, संघ का काम करता था और आम तौर पर संघ परिवार के घर ही भोजन के लिए जाता था।

एक बार मुझे मेरे वरिष्ठ साथी मिले और मुझे अपने साथ एक शादी में लेकर चले गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिनके शादी थी, वो दर्जी थे। जब हम पहुंचे तो अपने घर के बाहर बैठकर काम कर रहे थे।

मैंने पूछा कि इनके यहां शादी है लेकिन यहां तो सब साधारण है। उन्होंने जब पूछा तो पता चला कि शादी तो एक साल पहले ही हो गई थी। शादी का जब कार्ड देखा तो पिछले साल का कार्ड निकला। इसके बाद हम दोनों बिना खाए वापस आ गए।' उन्होंने कहा कि हालांकि, इस बात का राजस्थान से लेना-देना नहीं है।

मुझे पुरानी बात याद आई तो सोचा आप लोगों को बता दूं।

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान पर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि जब भी मोदी टेलीप्रॉम्प्टर से पढ़ते हैं तो कांग्रेस के लोगों को खुश होना चाहिए क्योंकि जब भी मोदी टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो वह विपक्ष को इसी तरह से धुलाई करते हैं।

राकेश को तलाश नही करने पर गांधी नगर थाने का घेराव किया जायेगा : सराफ

जयपुर, 12 फरवरी (का.सं.)। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने बाईजी की कोठी झालाना वार्ड नंबर 139 से राकेश कुमार बैरवा के लापता होने की जानकारी मिलते ही राकेश के निवास पर पहुंचे। सराफ ने राकेश बैरवा के घर पहुँचकर परिवारजन को ढाँढ़स बँधाया और मौके से ही पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव, डी.सी.पी. राजीव पचार को फोन कर स्पैशल टीम गठित कर तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिये एवं चेतावनी देते हुए कहा कि 5 दिन में अगर पुलिस राकेश को तलाश नही कर पाई तो गांधी नगर थाने का घेराव किया जायेगा।

पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव ने आश्वस्त किया कि स्पेशल टीम गठित करके जल्दी ही राकेश बैरवा को ढूंढ़ लिया जायेगा। इस दौरान अखिल भारतीय बैरवा

महासभा के उपाध्यक्ष रोडूराम सुलानिया, क्षेत्रीय पार्षद लक्ष्मण नुनीवाल, भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष ब्रह्म कुमार सैनी, राजापार्क मण्डल अध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, वार्ड अध्यक्ष कैलाश मीणा, भाग अध्यक्ष सीताराम बैरवा, बाबू लाल जलूँएरिया, सज्जन बैरवा, विक्की रमन, एस टी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष देवनारायण मीणा, विजय बैरवा, किशन बैरवा, बृजमोहन रेसवाल, नितिन शर्मा, राकेश सुलानिया, करण बैरवा, संतोष प्रतिहस्त, वार्ड महामंत्री संजय कुमार, बाबू लाल गोठवाल, रमेश गोठवाल, नरेंद्र मेहरा, राजेश बैरवा, रोहित बैरवा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

प्र.मंत्री मोदी ने दौसा में दिल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि, पहले राजस्थान प्रदेश को बीमारू राज्य के नाम से चिढ़ाया जाता था इसलिए भाजपा राजस्थान को विकसित राज्य का आधार बना रही है।

उन्होंने कहा कि, एक्सप्रैस-वे व्यापार को बढ़ाने का कार्य करेगा एवं उद्योग धंधे विकसित होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, अब राजस्थान की कनेक्टिविटी बड़े बंदरगाहों से जुड़ने के साथ बढ़ेगी एवं सड़क एयरपोर्ट रेल पटरी पुल आदि इन्फ्राट्रक्चर से उद्योगों को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि, राजस्थान पर्यटन का भी एक बड़ा सैक्टर है, दिल्ली व राजस्थान की दूरी कम होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ छोटे किसानों व्यापारियों को भी फायदा मिलेगा। मोदी ने कहा कि, स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान में भी कार्य हुए हैं, जिसमें दौसा के मेहंदीपुर बालाजी व धौलपुर जिले के मुकुंद धाम का विकास शुरू हुआ है एवं इस योजना से धार्मिक स्थानों का विकास कार्य जारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, उनकी सरकार द्वारा वंचितों, गरीबों, दलितों, आदिवासी एवं ठेले रेहड़ी वाले आदि जरूरतमंदों के विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग को संवैधानिक सुरक्षा मिले इसके लिए ओ.बी.सी. आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया। मेडिकल की पढ़ाई अंग्रेजी में होने के कारण गरीब तबके के बालकों को डॉक्टर, इंजीनियर बनाने का सफर बेहद मुश्किल था जिसे केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा हिंदी भाषा में भी इस पढ़ाई को पूरा करने के नियम को लागू किया है ताकि गरीब परिवार भी खुद के बालकों को डॉक्टर इंजीनियर बनने का सपना पूरा कर सके।

प्रधानमंत्री ने संबोधन में सिकंदरा के पत्थर व्यवसाय एवं कोटा डोरिया वस्त्र व्यवसाय कभी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि, दौसा की मेहमान नवाजी एवं बाजरे की रोटी का स्वाद भी याद है। मोदी ने कहा कि, कांग्रेस सैनिकों एवं सेना के शौर्य पर सवालिया निशान खड़ा करती है एवं उनके मनोबल को गिराने का कार्य करती है लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा सैनिक एवं सेना के जज्बे एवं उनके आत्मविश्वास सहित उनके सम्मान को बढ़ाने के लिए अंडमान निकोबार स्थित द्वीपों के नाम सेना के परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले वीरों के नाम से किया गया है। इन द्वीपों के नामांकन में राजस्थान प्रदेश के जोधपुर एवं झुंझुनू के सोल्जर वीर सपूतों के नाम से भी नाम करण हुआ है।

128 घंटों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब उसे बचाया गया तो बेसुध था, लेकिन जैसे ही उसे होश आया वह उस व्यक्ति की उंगली चूसने लगी जिसने उसे गोद में ले रखा था। गौरतलब है कि, इससे पहले एन.डी.आर.एफ. की टीम ने तुर्की में भूकंप प्रभावित क्षेत्र में मलबे में फंसी 8 साल की बच्ची को भी सुरक्षित निकाल लिया था. इससे पहले तुर्की में राहत और बचाव के काम में जुटे एन.डी.आर.एफ. के जवानों ने तुर्की सेना के जवानों के साथ गाजियांटेप प्रांत के नूरदगी शहर में अभियान चलाया था। एन.डी.आर.एफ. के जवानों ने गुरुवार को इसी इलाके से 6 साल की एक बच्ची को रेस्क्यू किया था। तुर्की और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप के बाद से हालात हर दिन बदतर होते जा रहे हैं। तुर्की और सीरिया में भूकंप की वजह से अब तक 28000 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर है।

जयपुर मैटल्स के श्रमिकों ने की बकाया भुगतान की मांग

जयपुर, 12 फरवरी (का.सं.)। बिजली के मीटर बनाने वाली कम्पनी जयपुर मैटल्स के श्रमिकों ने एक बार फिर अपनी आवाज बुलन्द करते हुए राज्य सरकार से मैटल्स श्रमिकों का बकाया भुगतान दिए जाने की मांग की है। इसके लिए रविवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रैसवार्ता को संबोधित करते हुए जयपुर मैटल्स एण्ड इलैक्ट्रिकल्स पीड़ित संघर्ष समिति के संयोजक दिलीप व्यास ने बताया कि, जयपुर मैटल्स राजस्थान सरकार के अधीन कम्पनी थी लेकिन इसके बाद भी इसे बंद कर दिया गया और श्रमिकों को भूखा मरने के लिए अकेला छोड़ दिया गया।

व्यास ने आरोप लगाया कि कम्पनी के अधिकारियों के किए गए कुप्रबन्धन और कर्मचारी नेताओं की अदूरदर्शिता के कारण गई मौकों पर गलत निर्णय किए गए जिसके कारण कर्मचारियों को बहुत नुकसान उठाना पड़ा है वहीं पिछले 22 वर्षों में मैटल्स के 1588 श्रमिकों में से 656 ने संघर्ष करते दम तोड़ दिया और उनके परिवार कोई धणी-धोरी नहीं है। इसके कारण उन श्रमिकों के बच्चे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे है।

इस मौके पर ओम प्रकाश पारीक ने बताया कि, राज्य सरकार ने 15 दिनों में मैटल्स के पीड़ित श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया तो जल्द ही बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वहीं सावंत सिंह शेखावत ने राज्य सरकार ने मांग की है कि, जयपुर मैटल्स सरकार के अधीन कम्पनी होने के कारण दिवंगत हो चुके श्रमिकों के परिवारों को पूरे परिलाभ और आश्रित को अनुकम्पा नियुक्ति दी जाए तथा जिन कर्मचारियों की नौकरी शेष है उन्हें अन्य विभाग में समायोजित किया जाए। इस मौके पर राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र तांबी भी उपस्थित रहे।

'राहुल गांधी व खड़गे का भाषण संसदीय कार्यवाही से हटा देना तानाशाही है'

अभिषेक मनु सिंघवी ने पूछा कि, मोदी सरकार बताये कि, इन नेताओं ने सदन में कौनसे असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया था

नई दिल्ली, 12 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस ने सरकार पर लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाने, मनमानी करने और डराने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उसकी निरंकुशता तथा तानाशाही संसद सत्र में पूरा देश देख रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार बार-बार तानाशाही और निरंकुशता का परिचय दे रही है। वह संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषणों के अंश हटाने और राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल को निष्कासित करने की घटना निरंकुशता और मनमानी का सबूत है।

उन्होंने कहा कि सरकार संसद में डराने, धमकाने और लोकतांत्रिक नियमों के साथ खिलवाड़ कर रही है। सरकार का इरादा संसद में टकराव कराना है और सहमति के लिए कोई रास्ता निकालना कभी उसकी मंशा नहीं रही है। उनका कहना था कि संसद में गांधी और खड़गे के भाषण के जो शब्द हटाये गए हैं वह सबके सामने हैं और इसमें कहीं भी असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने कहा कि सभापति को निष्पक्ष होकर काम करते हुए सरकार के गलत परामर्श का समर्थन नहीं करना चाहिए था। अभिषेक मनु सिंघवी ने आगे कहा कि तानाशाही का एक अभूतपूर्व उदाहरण मिला। सत्र से रजनी पाटिल को निलंबित किया गया और आरोप लगाया गया कि वह वीडियो रिकॉर्डिंग कर रही थीं। बिना

■ सिंघवी ने कहा, सरकार का इरादा संसद में टकराव कराना है और सहमति के लिए कोई रास्ता निकालना कभी उसकी मंशा नहीं रही है।

■ अभिषेक मनु सिंघवी ने आगे कहा, तानाशाही का एक अभूतपूर्व उदाहरण मिला। सत्र से रजनी पाटिल को निलंबित किया गया और आरोप लगाया गया कि वे वीडियो रिकॉर्डिंग कर रही थीं। बिना कारण बताये, बिना कोई नोटिस दिये उनको निलंबित किया गया।

कारण बताओ, बिना कोई नोटिस दिये उनको निलंबित किया है। रजनी को जवाब देना का भी समय नहीं दिया गया। जांच शुरू होने से पहले ही निलंबन कर दिया। सिंघवी ने आरोप लगाया कि ये पक्षपात के तरत सरकार के दबाव से किया गया है। ये एकतरफ़ा फ़ैसला है, सभी जनतांत्रिक नियम के विरुद्ध है।

गौरतलब है कि, कांग्रेस सदस्य रजनी पाटिल को राज्यसभा की कार्यवाही की वीडियो रिकार्डिंग कर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए शुक्रवार को मौजूदा बजट सत्र की शेष बैठकों से निलंबित कर दिया गया। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि पाटिल ने सदन की कल की कार्यवाही की वीडियो रिकार्डिंग कर उसे ट्विटर पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता सदन पीयूष गोयल सहित विभिन्न दलों के कई सदस्यों का पक्ष सुनने के बाद उन्होंने इसकी घोषणा की।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908